वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 228 | सोमवार 15 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'सन्मति सुन्दर निर्गंथ निलय' का भव्य शिलान्यास समारोह हुआ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ जैन मन्दिर एस एफ एस पर परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सुंदर सागर जी महाराज (ससंघ) के सानिध्य में प्रातकालीन शांतिधारा जिसके पुण्यार्जक धर्मचंद , पायल, सौरभ, शुभम, जलाभिषेक जयकुमार ज, सुनिल, विनय, शिखर, नवीन, गंगवाल झंडारोहण राजेश, गजेंद्र, मोनू, अनुज, चित्र अनावरण हेमचंद, नीलू, आयुष , छाबडा द्वारा किया गया। तत्पश्चात आर्यिका सुदर्शमति माताजी की समाधि स्थल पर सन्मति सुंदर निर्गंथ निलय संत भवन का मुख्य शिलान्यास कार्यक्रम बाल ब्रह्मचारिणी कनक दीदी द्वारा मंत्रोचारण के साथ डा.विनय चंद विजय लक्ष्मी कासलीवाल द्वारा संत भवन का शिलान्यास संपन्न करवाया गया। इसके साथ ही आचार्य श्री के आशिर्वाद से भवन के निर्माण में 24 कमरो की पुण्यार्जक परिवारों द्वारा घोषणा भी की गई। अंत मे गुरुदेव ने प्रवचन मे कहा की ऐसे संत भवनों का निर्माण प्रत्येक कालोनी एवं मंदिरों के पास होना चाहिए। जिससे साधु संतो के आवागमन व प्रवास मे किसी तरह की परेशानी न हो एवं धर्म की प्रभावना हो सके। अंत में समिति के अध्यक्ष कमलेश चंद मंत्री कुणाल काला द्वारा अतिथियों का तिलक माला पहनाकर स्वागत किया महामंत्री सोभाग मल जैन ने बताया कि आचार्य श्री का प्रवास 16 दिसंबर तक श्री आदिनाथ जैन मन्दिर एस एफ एस पर रहेगा।

शालीमार जैन मंदिर परिवार, कमला नगर द्वारा वृद्धाश्रम व अनाथ आश्रम में किया भोजन एवं वस्त्र वितरण

आगरा. शाबाश इंडिया

भगवान पार्श्वनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर शालीमार जैन मंदिर परिवार कमला नगर आगरा द्वारा सेवा और करुणा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर मंदिर परिवार के सदस्यों ने शहर के वृद्धाश्रम एवं अनाथ आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों और बच्चों की सेवा की। वृद्धाश्रम में मंदिर परिवार के सदस्यों ने बुजुर्गों को चाय एवं भोजन कराया तथा वस्त्र वितरण किया। सेवा पाकर वृद्धजनों की आंखों में संतोष और अपनापन झलकता नजर आया। कई वृद्ध भावुक हो उठे और उन्होंने इस स्नेहपूर्ण व्यवहार के लिए आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात अनाथ आश्रम में बच्चों के साथ समय बिताया गया। बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया और वस्त्र वितरित किए गए। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आंखों में खुशी देख उपस्थित सभी श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।कार्यक्रम में अंकेश जैन, उत्तमचंद जैन, अजय जैन, विनीता जैन, उषा जैन, कल्पना जैन, कमला जैन, संगीता जैन, संध्या जैन, ऋचा जैन, आव्या जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक संजू गोधा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान पार्श्वनाथ के करुणा और अहिंसा के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।कार्यक्रम में सहभागी सभी लोगों ने इसे आत्मिक सुख देने वाला अनुभव बताते हुए कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। **रिपोर्ट: शुभम- जैन**

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चों के की समुच्चय पूजा

पारसनाथ चंद्र प्रभ जन्म तप कल्याणक पर्व पर एक्टिव मॉडल प्रतियोगिता होगी आज 15दिसंबर को

डडूका. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चों द्वारा आज प्रातः पार्श्वनाथ भगवान के जलाभिषेक के बाद सामूहिक रूप से समुच्चय पूजा एवं रविव्रत पार्श्वनाथ पूजा पढ़ी गई। बच्चो ने सस्वर अष्ट द्रव्य और अर्घ्य समर्पित किए। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के नेतृत्व में बच्चो ने जयमाला पढ़ी और विश्व शान्ति हेतु शांति पाठ कर प्राणी मात्र के लिए सुख समृद्धि हेतु मंगल कामनाएं की। इसी क्रम में आज दिनांक 15 दिसंबर को पार्श्वनाथ भगवान ओर चंद्र प्रभ जन्म तप कल्याणक पर्व पर तीर्थों ओर तीर्थंकरों की जीवनी पर आधारित ऐक्टिव मॉडल निर्माण प्रतियोगिता स्थानीय पार्श्वनाथ सभागार में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में 9टीमें सांची जैन, रियल जैन, कल्प जैन, चर्या जैन, सिद्धम जैन, मिष्ठी जैन , कथनी और हर्षल जैन के नेतृत्व में हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता के निर्णायक वीरेंद्र जैन और पलाश जैन होंगे। आयोजन की तैयारियां पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया, मनोज एस शाह एवं धनपाल शाह के निर्देशन में पूरी करली गई है।

श्री पार्श्वनाथ एवं श्री चंद्रप्रभु जन्मोत्सव का भव्य त्रिदिवसीय आयोजन

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर छीपीटोला में आज पारसनाथ विधान मंत्र उच्चरणों के साथ संपन्न हुआ

समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अनुरोध है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर को सफल बनाएं एवं धर्मलाभ अर्जित करें

आगरा, संजय सिंह. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर छीपीटोला में आज पारसनाथ विधान मंत्र उच्चरणों के साथ संपन्न हुआ। महानगर में जैन समाज के आराध्य तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ एवं भगवान श्री चंद्रप्रभु के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन श्री पार्शना दिगंबर जैन मंदिर छीपी टोला से प्रारंभ किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता अपेक्षित है।

आज से हुआ शुभारंभ : श्री पार्श्वनाथ विधान

जन्मोत्सव का शुभारंभ आज प्रातः 07:30 बजे से बड़े मंदिर में

''श्री पार्श्वनाथ विधान'' के आयोजन के साथ हुआ। विधान के दौरान ही आगामी रथयात्रा हेतु पात्रों का चयन बोलियों के माध्यम से किया गया। यह अवसर धर्मलाभ अर्जन के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक हैं। जन्मोत्सव के दूसरे दिन, दिनांक 15 दिसंबर 2025, सोमवार को प्रातः 09:00 बजे से श्री पार्श्वनाथ एवं श्री चंद्रप्रभु जन्मोत्सव रथयात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा जैन भवन से प्रारंभ होकर कीर्ति स्तम्भ, साईं की तकिया, नामनेर, प्रतापपुरा, बालूगंज होते

हुए श्री पार्श्वधाम पहुंचेगी। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ रथयात्रा का स्वागत किया जाएगा।

16 दिसंबर 2025 (मंगलवार): महामस्तिकाभिषेक

उत्सव के समापन दिवस, दिनांक 16 दिसंबर 2025, मंगलवार को प्रातः 07:00 बजे ''मूलनायक भगवान का महामस्तिकाभिषेक'' आयोजित किया जाएगा। यह अभिषेक प्रथम एवं द्वितीय बोलियों द्वारा संपन्न होगा, जिसमें श्रद्धालु पुण्यार्जन का लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजक मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर को सफल बनाएं एवं धर्मलाभ अर्जित करें।

संस्कार सीनियर सैकेंडरी स्कूल, तलवाड़ा खुर्द में दो दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का सफल आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। खंड के गांव तलवाड़ा खुर्द के संस्कार सीनियर सैकेंडरी स्कूल में दो दिनों तक चलने वाली वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (स्पोर्ट्स मीट) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस खेल महोत्सव में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में श्री सुखदीप सिंह समाघ (सरपंच, थेड़ दयासिंह), श्री वकील साईं (सरपंच प्रतिनिधि, तलवाड़ा खुर्द), श्री अंगद सहू (एक्स ब्लॉक मेंबर), श्री हरबंस सरदाना जी (समाजसेवी), श्री अजायब सिंघ (पूर्व खेल कोच), डॉ. सुरेश कंबोज (समाजसेवी, मिर्जापुर), श्री धीरज तनेजा (Eminent Citizen,, सीएम विंडो, ऐलनाबाद) तथा श्री विशाल टुटेजा (डायरेक्टर, पैक्स सोसाइटी, ऐलनाबाद) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल नरीना सैनी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए स्वागत भाषण और अतिथियों का सम्मान बढ़ाकर किया। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन के सदस्य– सुभाष कम्बोज, दिनेश मैहता, देविंदर मैहता और रमेश मैहता –भी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रबंधन का पूर्ण सहयोग प्रदान किया। उनका सतत मार्गदर्शन और आयोजन में सहयोग विद्यार्थियों एवं शिक्षकों दोनों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा। दो दिवसीय इस स्पोर्ट्स मीट के दौरान विद्यार्थियों के लिए 400 मीटर रेस, 100 मीटर रेस, लोंग जंप, डिस्क थ्रो, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, टग ऑफ वॉर सहित कई रोचक खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सभी खेलों में विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा और टीम भावना का परिचय दिया। साथ ही, छठी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने विशेष लेजियम प्रदर्शन, डांस और नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी नृत्यों का भी आयोजन हुआ, जिससे महोत्सव और भी रंगारंग एवं जीवंत बन गया। स्पोर्ट्स मीट में विजेता टीम को मुख्य अतिथियों द्वारा मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों का उत्साह और गर्व बढ़ा। इस स्पोर्ट्स मीट में 'ऑल ओवर ट्रॉफी' भीम राव अंबेडकर हाउस को प्रदान की गई। इसके अलावा, बैस्ट प्लेयर का सम्मान जशनदीप को और बैस्ट गर्ल प्लेयर का सम्मान अन्शिका को दिया गया। इन पुरस्कारों को मुख्य अतिथियों द्वारा भव्य रूप से प्रदान किया गया। यह स्कूल के लिए अत्यंत गौरव की बात रही और सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिसमें विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्कार सीनियर सैकेंडरी स्कूल, तलवाड़ा खुर्द परिवार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, खेल शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

10वां अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन समापन सत्र और समग्र स्वास्थ्य कार्यशाला के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। 10वें अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन का तीसरा एवं अंतिम दिन ज्ञानवर्धक और चिंतनशील गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। तीसरे दिन श्वास-प्रश्वास अभ्यास (ब्रैथवर्क), स्वस्थ आहार एवं पोषण विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ लेना क्रिस्टीना टूल्स एवं सारी एच. नेयबर्ग ने संचालित किया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के साथ सकारात्मक जीवनशैली के समन्वय पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला के पश्चात समापन (वेलिडिक्टरी) समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की सफल समाप्ति की घोषणा की गई। प्रो. प्रेरणा पुरी ने सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से स्वीडन, फ्रांस, फि लिस्तीन और नेपाल से आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति को सराहा। डॉ. चंद्राणी सेन ने पूरे कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी` सम्मेलन अध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने राजस्थान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइकोलॉजी, नोएडा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

मयूर स्कूल जयपुर का राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतिष्ठित श्रेणियों में सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल ऑफ अजमेर के समन्वय से संचालित मयूर स्कूल जयपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए देश के प्रतिष्ठित ब्रेनफीड तथा एडटेक एशिया द्वारा आयोजित ई.टी. टेक एक्स 2025 उत्कृष्टता समारोह में तीन महत्वपूर्ण श्रेणियों में सम्मान हासिल किया। हैदराबाद में आयोजित इस भव्य समारोह में मयूर स्कूल जयपुर के प्रधानाचार्य अजी कुमार ने विद्यालय की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान ग्रहण किया। विद्यालय को नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों में उत्कृष्टता ष्विज्ञान-प्रौद्योगिकी-अभियंत्रिकी-कला-गणित आधारित शिक्षण (स्टेम) के प्रभावी कार्यान्वयन शैक्षणिक उत्कृष्टता वाले सर्वश्रेष्ठ विद्यालयजैसी प्रमुख श्रेणियों में यह गौरव प्राप्त हुआ है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि मयूर स्कूल जयपुर शिक्षण की आधुनिक पद्धतियों, तकनीक आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षा, बहुविषयी दृष्टिकोण और छात्र-केंद्रित वातावरण को बढ़ावा देने में देश के अग्रणी संस्थानों में से एक बन चुका है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक श्री नमन कंदोई ने सम्पूर्ण मयूर परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सम्मान हमारे शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। मयूर स्कूल निरंतर नए मानक स्थापित कर रहा है और यह उपलब्धि हमें भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित करेगी। प्रधानाचार्य श्री अजी कुमार ने भी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान विद्यालय की उस शैक्षणिक दृष्टि का प्रतीक है जिसमें मूल्य-आधारित शिक्षा, रचनात्मक सोच, कौशल-विकास, व्यावहारिक अधिगम तथा समग्र व्यक्तित्व निर्माण को समान रूप से महत्व दिया जाता है।

वेद ज्ञान

द्वेष और कामना मुक्त जीवनयापन सबसे बड़ा संन्यास

अत्यधिक कामानाएं या महत्वाकांक्षाएं सही नहीं होतीं। विवेक द्वारा इनको नियंत्रित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। राम नाम या कोई भी नाम जो आपको पसंद हो, उसका आश्रय कर अत्यधिक कामनाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। मानस में कहा गया है- कलयुग केवल नाम अधारा। नाम की बहुत महिमा है। कलियुग में तो सिर्फ नाम को ही आधार बताया गया है। जो नाम को अपना आधार बनाते हैं, केंद्र बनाते हैं, उनमें इतना विवेक जाग्रत होने लगता है कि वे समझ सकें कि किस हद से ज्यादा की कामनाएं ठीक नहीं होतीं। हमारे प्रयासों को और गति मिल सकती है, जब हम जान लें कि अत्यधिक कामनाओं से हानि क्या है? अत्यधिक कामनाओं से व्यक्ति में कुछ चीजें क्षीण होने लगती हैं। पहला है शरीर। अत्यधिक कामनाओं से व्यक्ति का शरीर क्षीण होने लगता है। दूसरी है उम्र। उम्र क्षीण होने लगती है और अत्यधिक कामनाओं से बुद्धि भी क्षीण पड़ने लगती है। हमें विचार करना चाहिए, अगर इतनी महत्व की वस्तुएं क्षीण हो रही हैं तो अत्यधिक कामनाओं को मन में पाला ही क्यों जाए? आगे बढ़ने से पहले बता दूं कि चोरी करना तो पाप है ही, मगर अधिक संग्रह भी पाप है। अगर किसी के पास बहुत कुछ है, वह चाहे किसी भी रूप में हो, याद रखिए, उसमें किसी और का हिस्सा अवश्य शामिल होगा। वह किसी और के प्रारब्ध का भी होगा, जो आपके पास किसी रूप में और किसी तरह से आ गया है। अत्यधिक कामनाओं में खतरा है कि हम किसी और के हिस्से का संग्रह कर लें। हमारे शास्त्रों में इसीलिए कहा गया है कि हर पल विवेक आवश्यक है। जिसको पल का विवेक आ जाए वह शाश्वत को जीत लेता है। अत्यधिक कामनाएं व्यक्ति को सत्य से भी थोड़ा हटा देती हैं। अत्यधिक कामनाएं आत्मबल और स्मृति को भी क्षीण करती हैं। इतना ही नहीं, अत्यधिक कामनाओं से घिरे रहने वाले के शरीर में भी कंपन आने लगता है और शब्द की धारा इधर-उधर होने लगती है। जितना व्यक्ति कामनारहित होगा, उसके शब्दों में उतना ही अधिक असर होगा। याद रखें, हम शिव के जैसे नीलकंठ भले ही न बन सकें, मगर हम शीलकंठ तो बनें। गले से क्या बोलना है, क्या नहीं बोलना है, इसका ध्यान रखें। अत्यधिक कामनाएं व्यक्ति को यह ध्यान नहीं रखने देतीं।

संपादकीय

नक्सलवाद का ढलता सूरज, विश्वास और विकास की जीत

भारत की आंतरिक सुरक्षा पर विमर्श करते समय नक्सलवाद हमेशा एक गहरे घाव की तरह सामने आता है। एक ऐसा घाव, जो दशकों तक देश के विकास, स्थिरता और सामाजिक संरचना को भीतर ही भीतर क्षीण करता रहा। सत्तर और अस्सी के दशक में जिस आंदोलन ने सामाजिक न्याय की भाषा में जन्म लिया था, वह धीरे-धीरे एक हिंसक उग्रवाद में बदल गया, जिसने उन समुदायों को ही सर्वाधिक नुकसान पहुँचाया जिनके नाम पर यह

खड़ा किया गया था। वर्षों तक यह संघर्ष एक अंतहीन चक्र की तरह चलता रहा, जहाँ न राज्य पूरी तरह सफल हो पाया, न आदिवासी क्षेत्रों की अलगाव की पीड़ा कम हुई। परन्तु 2014 के बाद परिदृश्य में जो परिवर्तन आया, वह केवल सरकारी रणनीति में बदलाव नहीं था बल्कि एक व्यापक प्रशासनिक, सुरक्षा और सामाजिक दृष्टिकोण का पुनर्गठन था, जिसका प्रभाव अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। दरअसल, 2004 से 2014 के बीच नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थिति लगातार बिगड़ती गई। कई जिलों में विकास पूरी तरह ठहर गया था। योजनाएँ कागज पर मौजूद थीं, लेकिन शासन और प्रशासन के कदम उस भूमि पर पहुँच ही नहीं पाते थे, जहाँ उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी। यह वह दशक था जब सरकार के शीर्ष स्तर से विरोधाभासी संदेशों ने सुरक्षा बलों में भ्रम पैदा किया, और राज्य सरकारों के बीच समन्वय का अभाव भी गहराता गया। परिणामस्वरूप, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की सामाजिक संरचना, प्रशासनिक उपस्थिति और आर्थिक गतिविधियाँ लगभग ध्वस्त हो गईं। स्कूलों के बंद होने से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों के जलाए जाने तक, ग्रामीण जीवन के हर स्तंभ पर आघात हुआ। कई गाँवों में एक पूरी पीढ़ी शिक्षा से वंचित रह गई और ग्रामीणों ने धीरे-धीरे यह मान लिया कि सरकार उनके लिए एक दूरस्थ, अनुपस्थित इकाई है। ऑपरेशन ग्रीन हंट जैसी पहलें कागज पर व्यापक दिखती थीं, किंतु उनके जमीनी परिणाम कमजोर योजना, समन्वय की कमी और स्पष्ट राजनीतिक दिशा-निर्देशों के अभाव में सीमित रह गए। दंतेवाड़ा जैसे हमलों ने यह भी सिद्ध किया कि क्षमता निर्माण केवल हथियारों या अतिरिक्त बल भेज देने से संभव नहीं होता, बल्कि इसके लिए रणनीतिक, प्रशासनिक और स्थानीय साझेदारी की आवश्यकता होती है। जो उस दशक में अनुपस्थित थी। इसी दौरान नक्सलियों ने ग्रामीण संस्थाओं पर लगातार प्रहार कर यह सुनिश्चित किया कि राज्य का प्रभाव पूरी तरह समाप्त हो जाए। पंचायत भवन, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र इन पर हिंसक हमलों ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर दिया। मजदूरों की सुरक्षा के अभाव में मनरेगा और ग्रामीण योजनाएँ निष्क्रिय हो गईं, और सबसे गरीब परिवारों पर इसका सीधा असर पड़ा। यह वह अवस्था थी जब नक्सली वैचारिक रूप से खुद को जन हितैषी के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे और शासन-विहीन क्षेत्रों में उनकी पकड़ मजबूत होती जा रही थी। यदि 2014 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आता है, तो इसकी वजह केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का परिवर्तन था।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है। विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है।

"जैन सोशल ग्रुप संस्कार के सदस्यों ने प्रातः कालीन भ्रमण के साथ ही किए नीमच माता के दर्शन"

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संस्कार के सदस्यों ने संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी तथा अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ फतहसागर पाल पर प्रातःकालीन भ्रमण किया। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि इस दौरान सदस्यों ने मस्ती में झूमते-गाते हुए प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। उपाध्यक्ष विनोद लसोड़ व सह सचिव राजेश सामर ने बताया कि भ्रमण के पश्चात सभी सदस्यों ने हाई टी का आनंद लिया जिसके बाद रोपवे द्वारा नीमच माता मंदिर की यात्रा की। कोषाध्यक्ष किरण पोखरना ने कहा कि मंदिर पहुंचकर सभी ने माता जी के दर्शन किए और प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठाया। सदस्यों ने इस अवसर पर फोटोग्राफी और सेल्फी लेकर सुंदर नजारों को अपने कैमरों में कैद किया। इस कार्यक्रम में समूह के कुल 132 सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने सामूहिक रूप से मनोरंजन और आध्यात्मिक अनुभव साझा किया। यह कार्यक्रम सदस्यों के बीच एकता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राजेंद्र चौरड़िया, ललित धूपिया, हिम्मत जैन, डॉ मनीष पोखरना, ललित जैन, श्रीपाल जैन, रौनक कोठारी, मुकेश जैन आदि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

25 दिसम्बर को आचार्य सुन्दर सागर महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश धावास जैन मंदिर में होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। एसएफएस-मानसरोवर में स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान दिगम्बर जैन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ का 25 दिसम्बर को मंगल प्रवेश अजमेर रोड स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास में होगा। धावास जैन समाज की महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने मंदिर प्रबन्ध समिति के परम संरक्षक विकास बड़जात्या के नेतृत्व में अचार्य संघ को श्रीफल अर्पित कर उन्हें धावास के निमार्णाधीन भव्य शांतिनाथ जिनालय में प्रवास के लिए निवेदन किया जिस पर आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए समाज जन को अपना आशीर्वाद दिया। आचार्य सुन्दर सागर महाराज के साथ ही आचार्य शशांक सागर महाराज का भी प्रवास धावास की धरा पर होगा।

शिक्षा की नई रोशनी

सीडब्लूसी अध्यक्ष जितेंद्र गोयल ने छोटे-छोटे बच्चों को जागरूक कर शिक्षा के पथ पर लाने का संकल्प लिया

हनुमानगढ़, नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

सीडब्लूसी (चाइल्ड वेल-फेयर कमिशन) के जिला अध्यक्ष जितेंद्र गोयल ने रावतसर क्षेत्र में एक व्यापक जागरूकता अभियान की शुरूआत की है, जिसका मुख्य उद्देश्य छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा के महत्व से परिचित कराना और उन्हें पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत, गोयल ने कहा कि जब तक बच्चा भीख माँगता रहेगा, तब तक हमारा समाज विकास नहीं कर सकता। इसी विचारधारा के साथ, भीख मांगने वाले बच्चों को पाबंद करने के लिए स्थानीय पुलिस और सामाजिक संगठनों के सहयोग से विशेष कार्रवाई शुरू की गई है।

पाठ्य-सामग्री वितरण और जागरूकता

जिला भर में पाँच हजार से अधिक किताबें, नोटबुक और स्टेशनरी किट्स सरकारी तथा निजी स्कूलों में वितरित की जा रही हैं। जितेंद्र गोयल ने बताया कि इस वितरण का लक्ष्य उन बच्चों को समर्थन देना है, जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण स्कूल नहीं जा पाते थे। साथ ही, ग्रामीण स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित कर अभिभावकों को शिक्षा के दीर्घकालिक लाभों के बारे में समझाया जा रहा है।

भीख-मांगने पर प्रतिबंध

सीडब्लूसी ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर रावतसर के प्रमुख बाजारों और रेलवे स्टेशन पर भीख मांगने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें तुरंत स्कूल में दाखिला दिलाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। उल्लंघन करने वाले परिजनों को कड़ी चेतावनी के साथ कानूनी कार्रवाई की भी सूचना दी गई है।

ईंट-भट्ठों पर प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए शिक्षाप्रद खिलौने

हनुमानगढ़ जिले के विभिन्न ईंट-भट्ठों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा की ओर आकर्षित करने के लिए एक नई योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत, जनवरी 2026 से प्रत्येक भट्ठी के पास शिक्षाप्रद खिलौने वितरित किए जाएंगे, जिससे बच्चे खेल-खेल में गणित, विज्ञान और भाषा की बुनियादी अवधारणाओं को सीख सकें। गोयल ने कहा, हम चाहते हैं कि बच्चा भट्ठी की धूल में नहीं, बल्कि ज्ञान की रोशनी में खेलता रहे। समुदाय की भागीदारी। इस व्यापक पहल में स्थानीय व्यापारियों, धार्मिक संस्थानों और स्वयंसेवी समूहों ने भी सक्रिय सहयोग दिया है। कई दुकानदारों ने शिक्षा-सपोर्ट कार्ड वितरित किए हैं, जिससे बच्चों को स्कूल की फीस और सामग्री में छूट मिल सके। भविष्य की दिशा। सीडब्लूसी ने अगले शैक्षणिक वर्ष में पूरे हनुमानगढ़ जिले में डिजिटल लैब स्थापित करने, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित करने और नियमित मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने की योजना बनाई है। इन प्रयासों से उम्मीद की जा रही है कि भीख-मांगने वाले बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आएगी और हर बच्चा स्कूल की बेंच पर अपनी जगह बना लेगा।

टोंक से अतिशय क्षेत्र निमोला पदयात्रा

पद यात्रियों के जयकारों से गूंजा अतिशय क्षेत्र निमोला, नित्य पूजा पाठ संग्रह पुस्तक का विमोचन, शांति मंडल विधान की पूजा की

टोंक. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र निमोला में दो दिवसीय मेले के तहत रविवार को प्रात पांच मंदिर पुरानी टोंक से भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के साथ पदयात्रा रवाना हुई। प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया की पदयात्रियों ने पांचो मंदिर एवं नवीन जिनालय में भगवान पार्श्वनाथ के दर्शनो के बाद बाबू सेठी,अशोक छाबड़ा, विनोद बाकलीवाल रिंकू सोनी प्रदीप सोनी दिनेश जैन आदि ने सबको माला दुपट्टा पहना कर गाजे-बाजे के साथ पदयात्रा को रवाना किया पदयात्री पचरंगी ध्वज हाथों में लिए भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे पदयात्रा कचोलिया ,सोनवा ,अरनिया माल होते हुए निमोला पहुंची। मार्ग में वीरेंद्र कुमार महेंद्र कुमार पाटनी परिवार एवं कचोलिया ग्राम में महाशिव विद्या मंदिर के निदेशक अमृत लाल शर्मा द्वारा भव्य स्वागत किया गया सोनवा पहुंचने पर पद यात्रियों ने सोनवा जैन मंदिर के दर्शन किए जहां पर स्थानीय समाज ने पदयात्रियों को अल्पाहार कराकर स्वागत किया पदयात्री भगवान पार्श्वनाथ के भजन गाते हुए निमोला पहुंचे जहां सभी ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन कर श्री फल चढ़ाए पद यात्रियों में पुरानी टोंक, हाउसिंग बोर्ड, बड़ा कुआं ,सिविल लाइन आदि क्षेत्र के श्रद्धालुओं सहित अनिल कासलीवाल मनीष सोनी मनोज सोनी सोनू पाटनी नीरज चौधरी पवन चौधरी मनोज, पारस, मनीष, जीतू,पंकज, शिखर,राहुल,लक्ष्मीतृप्ति गरिमा नेहा बीना रीना आदि श्रद्धालु मौजूद थे। इससे पूर्व निमोला अतिशय क्षेत्र में प्रातः भगवान पार्श्वनाथ का नित्य अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया तत्पश्चात पदम कुमार शांति बाई पारस कुमार अंकित कुमार मित्तल नैनवा परिवार द्वारा पद्मावती माता का पूजन कर पद्मावती माता को वेदी में विराजमान किया गया स्वर्गीय श्रीमती विमला देवी की 21वीं पुण्य स्मृति के अवसर पर सोनी परिवार द्वारा नित्य पूजा पाठ संग्रह पुस्तक का विमोचन किया गया दोपहर में पंडित मनोज शास्त्री संगीतकार कमलेश जैन के निर्देशन में कनक श्री महिला मंडल पुरानी टोंक एवं आदिनाथ महिला मंडल अमीरगंज के द्वारा शांति मंडल विधान की पूजा की गई जिसमे इंद्र बनने का सौभाग्य सौधर्म इंद्र निर्मल कुमार राजेश कुमार प्रतीक सोनी पुरानी टोंक कुबेर इंद्र जिनेंद्र कुमार चंद्रकांता सोगानी यज्ञ नायक शिखरचंद कमल कुमार राहुल कुमार बिलासपुरिया ईशान इंद्र पदम चंद दिनेश कुमार गोधा अलियारी वाले सानत इंद्र प्रकाश चंद भागचंद धुआं को मिला। समिति के अध्यक्ष बाबूलाल महामंत्री ज्ञानचंद मंत्री पारस कुमार कोषाध्यक्ष अशोक कुमार द्वारा महिला मंडल एवं पदयात्रियों का माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष अशोक जैन ने बताया कि अतिशय क्षेत्र निमोला में भगवान पार्श्वनाथ की अत्यंत प्राचीन चतुर्थ कालीन विशाल मनोज्ञ एवं अनेक अतिशय प्रदर्शक प्रतिमा विराजमान है यह अतिशय क्षेत्र प्राचीन मनोज्ञ एवं निमोला गांव के मध्य में विद्यमान है इस क्षेत्र के अतिशय की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता यहां विराजमान पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा महान आत्मा शांतिदाता एवं मनोवांछित कार्यों को पूर्ण करने वाली है जो व्यक्ति इस प्रतिमा के दर्शन शुद्ध भाव एवं श्रद्धा से करता है उसके सभी मनोरथ कार्य पूर्ण होते हैं। महामंत्री ज्ञानचंद जैन ने बताया कि सायंकाल भगवान पार्श्वनाथ की 108 दीपको से संगीतमय महाआरती की गई एवं भक्तामर का पाठ किया गया भजन संध्या में महिलाओं ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए रात्रि को टोंक ,निवाई, मालपुरा ,टोडा, नगर, नैनवा के गायक कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। अतिशय क्षेत्र निमोला के अध्यक्ष बाबू लाल जैन एवं मंत्री पारस चंद जैन ने बताया कि सोमवार को प्रातः भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक, शांतिधारा, भगवान पार्श्वनाथ की पूजा, महाअर्घ्य एवं बोलियों के पश्चात श्री जी की विशाल रथयात्रा निमोला ग्राम में निकाली जाएगी तत्पश्चात श्री जी को समोशरण में विराजमान कर कलशाभिषेक किए जाएंगे।

ग्याहरवें वार्षिकोत्सव के अवसर पर हुआ रत्नत्रय विधान नेमिनाथ कॉलोनी में

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीशांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नेमिनाथ जैन कॉलोनी के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्याहरवाँ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर रत्नत्रय विधान सम्पन्न। एवं युगमंधर स्वामी के समवशरण पर 64 चँवर व सीमंधर मानस्तंभ पर 8 चँवर चढाए गए हैं ।सम्पूर्ण कार्यक्रम के डॉ .महावीर प्रसाद शास्त्री के निर्देशन में हुआ । विधानाचार्य के रूप में पंडित पं. श्रेणिक जी जबलपुर ने विधि -विधान पूर्वक विधान करवाया ।इनका सहयोग डॉ. पं अंकित शास्त्री ,पंडित तपीश शास्त्री ने दिया । पं. सुरेश शास्त्री पं. ऋषभ शास्त्री पं खेमचंद जी शास्त्री डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री,पंडित गजेंद्र शास्त्री , पं अमित जी शास्त्री ,पं . संदीप शास्त्री पं नीलेश शास्त्री पं .प्रशांत शास्त्री आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम में सम्मान सभा का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता बसंतीलालजी थाया जी वशिष्ठ अतिधि डॉ. श्याम सिंघवी , योगेश अखावत , अभय बण्डी थे । अवसर पर नवीन भूमि पर कक्ष निर्माण में सहयोग देने वाले से श्री रोशन लाल जी लिखमावत , नानालालजी भगनोत , चॉदमल ललित किकावत , सतीश ऊजोत का सम्मान किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ . महावीर प्रसाद शास्त्री व राजमल गोदडोत ने किया । कार्यक्रम के अंत में आभार ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल अखावत ने किया ।यह जानकारी संयोजक सुरेश अखावत ने दी । अखिल भारतीय जैन युवा व महिला फेडरेशन का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ ।

कर्तव्य से विमुख होने पर पथभ्रष्ट होते हैं, कर्तव्य पालन करें : मुनि योग सागर जी

विशाल शोभा यात्रा से विधान का भव्य समापन

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी राघौगढ़ में गत 7 दिसंबर से चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का समापन आज नगर में भगवान की विशाल शोभायात्रा के साथ हुआ। समापन अवसर पर संत सुधा सागर धाम स्थित संभवनाथ जिनालय परिसर में विशाल पांडाल में मंगल प्रवचन करते हुए आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के ज्येष्ठ श्रेष्ठ शिष्य निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ने कहा हमें जीवन में अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। हम कर्तव्य का पालन नहीं करेंगे तो पथभ्रष्ट हो जाएंगे। आपने कहा जीवन तभी सफल होगा जब हम कर्तव्य परायण होंगे। मुनिराज जी ने कहा राघौगढ़ नगर वासियों का सौभाग्य था कि हमें यहां आने का अवसर मिला। श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान सभी ने भक्ति भाव से किया है। राघोगढ़ के धर्म प्रेमी जन बार-बार गुना आते थे और हमसे राघौगढ़ आने का आग्रह करते थे। आपका पुण्य प्रबल था कि यह सब संयोग मिला। मुनिराज ने जैन समाज राघोगढ़ की धर्मप्रायणता एवं संत सेवा की सराहना करते हुए कहा मैंने पहले

भी कहा था यह नगरी भगवान श्री राम के नाम से राघौगढ़ के नाम से जानी जाती है। भगवान श्री राम मयार्दा पुरुषोत्तम थे। राघोगढ़ वाले भी मयार्दा में रहकर धर्म पालन कर रहे हैं। कटंगी से पधारे सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी संजीव भैया ने कहा राघौगढ़ नगर में गौशाला प्रारंभ हो रही है यह प्रसन्नता की बात है। इस अवसर पर आपने गौशाला के संचालन के लिए 21 लाख रुपए दान राशि एकत्रित करायी। आपने कहा गौशाला के लिए टीन शेड ट के निर्माण के लिए गत दिवस विधायक जयवर्धन सिंह अपनी विधायक निधिसे पांच लाख रुपए देने की घोषणा कर गए हैं। संजीव भैया जी ने भी पांच लाख रुपए बाहर से दान एकत्रित कर गौशाला में देने का आश्वासन दिया। साथ ही राघौगढ़ में नवीन जैन रजत विमान निर्माण हेतु आपने दानदाताओं से

लगभग 12 किलो चांदी दान करायी। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं जैन समाज ट्रस्ट कमेटी के मार्गदर्शक मंडल के वरिष्ठ सदस्य विजय कुमार जैन ने बताया है विधान के समापन के अवसर पर आज प्रातः 7:00 बजे से भगवान का अभिषेक शांति धारा एवं सामूहिक नव देवता पूजन हुई तत्पश्चात मुनिराज जी के मंगल प्रवचन हुए। ब्रह्मचारी संजीव भैया जी के निर्देशन में सामुहिक हवन का आयोजन करके हवन में आहुतियां दी गई। प्रातः 10:00 बजे 12 पालकियों एवं एक रथ में भगवान को विराजमान कर इंद्र इंद्राणियों एवं साधर्मियों का विशाल जुलूस संत सुधासागर धाम से प्रारंभ हुआ जो नगर के प्रमुख मार्गो से होकर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। जहां भगवान का अभिषेक कर वेदियों में विराजमान किया गया। दोपहर भोजन की व्यवस्था संत सुधासागर धाम में सामूहिक की गई थी जिसमें जैन समाज राघौगढ़ सहित बाहर से पधारे साडा कॉलोनी, एनएफएल विजयपुर, धरनावदा,रुठियाई गुना,आरोन, आवन, कुंभराज, बीनागंज, जामनेर के समाजजनों ने धार्मिक कार्यक्रम एवं समापन में भाग लिया।

ग्याहरवें वार्षिकोत्सव के अवसर पर हुआ रत्नत्रय विधान नेमिनाथ कॉलोनी में

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीशांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नेमिनाथ जैन कॉलोनी के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्याहरवाँ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर रत्नत्रय विधान सम्पन्न। एवं युगमंधर स्वामी के समवशरण पर 64 चँवर व सीमंधर मानस्तंभ पर 8 चँवर चढाए गए हैं ।सम्पूर्ण कार्यक्रम के डॉ .महावीर प्रसाद शास्त्री के निर्देशन में हुआ । विधानाचार्य के रूप में पंडित पं. श्रेणिक जी जबलपुर ने विधि -विधान पूर्वक विधान करवाया । इनका सहयोग डॉ. पं अंकित शास्त्री ,पंडित तपीश शास्त्री ने दिया । पं. सुरेश शास्त्री पं. ऋषभ शास्त्री पं खेमचंद जी शास्त्री डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री,पंडित गजेंद्र शास्त्री , पं अमित जी शास्त्री ,पं . संदीप शास्त्री पं नीलेश शास्त्री पं .प्रशांत शास्त्री आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम में सम्मान सभा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता बसंतीलालजी थाया जी वशिष्ठ अतिथि डॉ. श्याम सिंघवी , योगेश अखावत , अभय बण्डी थे । अवसर पर नवीन भूमि पर कक्ष निर्माण में सहयोग देने वाले से श्री रोशन लाल जी लिखमावत , नानालालजी भगनोत , चॉदमल ललित किकावत , सतीश ऊजोत का सम्मान किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ . महावीर प्रसाद शास्त्री व राजमल गोदडोत ने किया । कार्यक्रम के अंत में आभार ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल अखावत ने किया । यह जानकारी संयोजक सुरेश अखावत ने दी ।

37 वां निःशुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 76 लाभान्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वाधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार जैन पाण्ड्या के सौजन्य से 37 वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास 14/12 /25 रविवार 10 बजे से 2 /30 बजे तक आयोजित किया गया शिविर सयोजक वीर अशोक गगंवाल, रतनलाल मेघवाल , डाक्टर जितेश जैन अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल ,दानदाता परिवार से वीर कैलाश चन्द जैन, ने शिविर शुभारंभ किया। वीर नरेश कुमार झाझंरी वीर तेजकुमार बडजात्या ने बताया कि शिविर मे आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों नावा,मारोठ, मीठडी,पलाडा व कुचामन शहर के 76 लोगों को लाभान्वित हुए व 32 एक्सरे व 29 रक्त सम्बंधित जांचें निःशुल्क कर परामर्श दिया गया। संस्था सचिव अजित पहाडिया, वीर नदंकिशोर बिडसर के अनुसार शिविर का सेवाभावी चतर्भुज शर्मा, अशोक मोर, शुम्भुकाका पेन्टस, राजैश अग्रवाल सुपारीवाला ने शिविर का अवलोकन कर महानगर के ख्याति प्राप्त डाक्टर कि सुविधाएं कुचामन मे मिलने पर संस्था के सेवा कार्यों की भुरी-भुरी प्रशंसा साधुवाद किया। वीर प्रदीप काला, वकील वीर रतन प्रधान,वीर आकाश पहाडिया,बोदु कुमावत , जितेन्द्र , कंचन चौधरी,सुरजीत वैष्णव, का शिविर में सराहनीय सहयोग रहा वीर सुभाष पहाडिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। -**वीर सुभाष पहाडिया**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जब दीपक जल रहा हो तभी घी चाहिए

अक्सर हम जीवन की सबसे बड़ी सीख छोटी-सी बातों में छिपी हुई अनदेखी कर देते हैं। दीपक को घी कब चाहिए? तब, जब वह जल रहा हो। जब लौ काँप रही हो, जब उजाला देने की कोशिश जारी हो, उसी समय सहारे की आवश्यकता होती है। बुझ जाने के बाद घी डालना व्यर्थ है, तब न उजाला लौटता है, न गर्माहट। और सच तो यह है कि यह बात न दीपक की है, न घी की। यह बात समय की है, संवेदना की है, जिम्मेदारी की है। हम अक्सर लोगों की मेहनत, उनके संघर्ष, उनके त्याग को तब तक अनदेखा करते रहते हैं जब तक वे टूट न जाएँ। जब वे साथ चाहते हैं, तब हम व्यस्त रहते हैं, और जब वे थककर चुप हो जाते हैं, तब हम पछतावे की औपचारिकता निभाते हैं। परिवार हो, समाज हो या कोई संस्था—समर्थन समय पर मिले तो साधारण व्यक्ति भी असाधारण उजाला कर सकता है। प्रशंसा समय पर हो तो हौसला बढ़ता है, मार्गदर्शन समय पर हो तो दिशा मिलती है, और सहयोग समय पर हो तो विश्वास जीवित रहता है। बुझने के बाद आँसू बहाना, श्रद्धांजलि लिखना या अफसोस जताना आसान है, पर सार्थक नहीं। सार्थक वही है जो जलते दीपक की लौ को स्थिर रखे, जो संघर्ष के बीच कंधा बने, जो सही समय पर सही घी डाले। इसलिए सीख सरल है—जिसे संभालना है, उसे समय पर संभालिए; जिसे बचाना है, उसे जलते समय बचाइए; क्योंकि जीवन में अवसर भी दीपक की तरह होते हैं, देर हो जाए तो सब कुछ व्यर्थ हो जाता है।

— नितिन जैन, संयोजक — जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष — अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइलः 9215635871

तीर्थंकर पार्श्वनाथ जयंती 15 दिसम्बर 2025 पर विशेष

काशी में जन्मे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की शिक्षाओं की शाश्वत प्रासंगिकता

डॉ. सुनील जैन "संचय", ललितपुर

भारत की आध्यात्मिक धरोहर में काशी का विशिष्ट स्थान है। यह नगरी जहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान, ध्यान, धर्म और साधना का केंद्र रही है, वहीं यह चार तीर्थंकरों की जन्मभूमि होने के कारण जैन परंपरा में विशेष आदरणीय है। मंदिरों की इस नगरी को लोग विश्व की धार्मिक राजधानी, पुरातन संस्कृति का केंद्र तथा पारसनाथ भगवान की पावन धरती भी कहते हैं। प्रसिद्ध अमरीकी लेखक मार्क ट्वेन ने लिखा था बनारस इतिहास से भी पुरातन, परंपराओं से भी पुराना, किंवदंतियों से भी प्राचीन है– और इन सबको मिलाकर भी उससे दोगुना प्राचीन! काशी की इस दिव्य संस्कृति और अध्यात्म का साक्षात अनुभव मुझे वहाँ बिताए पाँच वर्ष के दौरान मिला। गंगा के घाटों की शांति, सौंदर्य और आध्यात्मिक स्पंदन आज भी मन में अंकित हैं। बनारस का हर शाम इतना सुहाना लगे, इसे भुलाने में कई सदियाँ, कई जमाना लगे। काशी : चार जैन तीर्थंकरों की पावन जन्मभूमि : गंगा तट पर बसी वाराणसी में सप्तम तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ, अष्टम चन्द्रप्रभ, ग्यारहवें श्रेयांसनाथ, और तेईसवें पार्श्वनाथ का जन्म हुआ। यह इन चार-चार कल्याणकों से पवित्र भूमि है। मेरा सौभाग्य रहा कि मैं स्वयं जैन घाट पर स्थित सुप्रसिद्ध स्याद्वाद महाविद्यालय, (भगवान सुपार्श्वनाथ की जन्मभूमि) का विद्यार्थी रहा। तेईसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ : काशी का गौरव : पार्श्वनाथ भगवान का जन्म पौष कृष्णा एकादशी को काशी नरेश महाराजा अश्वसेन व महारानी वामादेवी के घर भेलूपुर क्षेत्र में हुआ। यही स्थान उनकी जन्मभूमि, कर्मभूमि और तपभूमि है।

वर स्वर्ग प्राणत को विहाय, सुमात वामा सुत भये। अश्वसेन के पारस जिनेश्वर, चरन जिनके सुर नये।।

जनमे त्रिभुवन सुखदाता, एकादशि पौष विख्याता
श्यामा तन अद्भुत राजै, रवि कोटिक तेज सु लाजै ॥

जन्म भूमि भेलूपुर, वाराणसी में भव्य जैन मंदिर स्थित है। चार फीट ऊँची काले पत्थर की प्रतिमा, राजस्थानी शैली में निर्मित विशाल परिसर तथा भित्ति शिल्प इसे अद्वितीय बनाते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। ऐतिहासिकता और प्रभाव : भगवान पार्श्वनाथ प्राचीन ग्रंथों–अवशेषों, शैलों, स्तुतियों, जैनाचार्यों और विदेशी विद्वानों–के आधार पर वे अत्यंत प्रभावशाली ऐतिहासिक महापुरुष माने गए हैं। जर्मन विद्वान डॉ. हर्मन याकोबी ने अपने शोध स्टडीज इन जैनिज्म में उन्हें ऐतिहासिक व्यक्तित्व प्रमाणित किया। पार्श्वनाथ : सामाजिक क्रांति और अहिंसा के प्रणेता : पार्श्वनाथ भगवान ने कर्मकांड, अज्ञान और पशुहिंसा के विरुद्ध अद्भुत क्रांति की। उनके जीवन में प्रसिद्ध घटना है–गंगाघाट पर कमठ द्वारा किए जा रहे पंचाग्नि यज्ञ में लकड़ी के भीतर जल रहे नाग-नागिन को उन्होंने णमोकार मंत्र का उद्घोष कर मुक्त किया। यह घटना अहिंसा और करुणा के अद्वितीय संदेश का शाश्वत प्रतीक है। उनके संदेशों की विशेषताएँ : अहिंसा को व्यक्ति से समाज तक विस्तृत करना। सही कर्म, सही विचार और सही व्यवहार का मार्ग। क्रोध, हिंसा, दंभ और आडंबर का विरोध। सभी जीवों के प्रति करुणा का भाव। पुरुषार्थ से भाग्य परिवर्तन का सूत्र। इस कारण बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा सहित अनेक स्थानों पर आज भी सराक, सदगोवा, रंगिया तथा भील समाज भगवान पार्श्वनाथ को कुलदेवता मानता है। विहार और दिव्य प्रभाव : आर्यखंड के अनेक प्रदेशों–मालव, अवंती, कर्नाटक, सौराष्ट्र, मेवाड़, कलिंग से लेकर कश्मीर, कच्छ और विदर्भ–में भगवान

पार्श्वनाथ ने विहार किया। मध्यप्रदेश के नैनागिरि सिद्धक्षेत्र में उनका समवशरण आया था। उनकी साधना आत्मकल्याण की चरम ऊँचाई थी– राग, द्वेष, भय और प्रलोभन से परे। पार्श्वनाथ भगवान के मंदिरों और प्रतिमाओं की संख्या भारत में सर्वाधिक है। प्रत्येक राज्य में वे विभिन्न विशिष्ट उपाधियों –अंतरिक्ष पार्श्वनाथ, चिंतामणि पार्श्वनाथ, तिखाल वाले बाबा के रूप में पूजित हैं। स्तोत्र साहित्य : भक्ति की स्वर्ण-धारा : जैन आचार्यों ने भगवान पार्श्वनाथ के अतिशय प्रभाव से विभोर होकर अनेक स्तोत्र रचे। ये रचनाएँ भक्ति, श्रद्धा और आराधन की अमूल्य विरासत हैं। निर्वाण और शाश्वत स्मृति : पार्श्वनाथ भगवान ने श्रावण शुक्ला सप्तमी को झारखंड स्थित सम्मेद शिखरजी के स्वर्णभद्रकूट- पार्श्वनाथ हिल पर्वत से निर्वाण प्राप्त किया। आज निकटस्थ रेलवे स्टेशन पारसनाथ इन्हीं की स्मृति का प्रतीक है। लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष इस तीर्थ की यात्रा करते हैं। आज के वैज्ञानिक युग में पार्श्वनाथ के संदेशों की प्रासंगिकता :आज जब मानव हिंसा, द्वेष, अनियंत्रित इच्छाओं और भौतिकता की होड़ में घिरा है, पार्श्वनाथ भगवान का मार्ग और अधिक आवश्यक हो उठा है। उनकी शिक्षाएँ हमें बताती हैं– अहिंसा केवल व्रत नहीं–जीवनशैली है। क्रोध का प्रतिकार क्षमा से है। वैर का समाधान करुणा से है। सुख धन में नहीं–मन की पवित्रता में है। वर्तमान तनावपूर्ण समाज में यह दर्शन मनुष्य को शांति, संतुलन और आत्मनिर्माण का पथ प्रदान करता है।

उपसंहार: तीर्थंकर पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा, मानवता और नैतिकता के पुनर्स्मरण का पावन अवसर है। काशी की यह दिव्य भूमि, जहाँ पार्श्वनाथ ने जन्म लेकर धर्म, दर्शन और संस्कृति को अमर संदेश दिया–आज भी उसी प्रकाश से आलोकित है।

डॉ. सुनील जैन "संचय"
नेशनल कान्वेंट स्कूल, गाँधीनगर, नईबस्ती, ललितपुर 284403 (उ.प्र.)
मो. 9793821108
(आध्यात्मिक चिंतक एवं जैनदर्शन के अध्येता)

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के त्री वार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए ' इस अवसर पर मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव जैन गाजियाबाद ने सहायक चुनाव अधिकारी मनीष बैद एवं अनिल छाबड़ा के माध्यम से सभी निर्वाचित सदस्यों के नामो की घोषणा करी ' इस अवसर पर श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल कासलीवाल ने सभी निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यों को समाज के गणमान्य व्यक्तियों के सामने शपथ दिलाई ' कार्यकारिणी का गठन निम्न प्रकार हुआ : अध्यक्ष - सुशील कुमार जैन पहाड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार बेनाडा, उपाध्यक्ष जम्मू कुमार जैन सोगानी, मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी, संयुक्त मंत्री सुरेश चंद्र सोनी, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जैन श्रीमाल, संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी, सांस्कृतिक मंत्री मनोज कुमार जैन, कार्यकारिणी सदस्यः अनिल कुमार सोगानी, अरुण कुमार जैन पाटौदी, अशोक कुमार जैन, छाबड़ा एडवोकेट राजेश काला, सुनील कुमार जैन, सुनील कुमार काला, विजय कुमार जैन ' इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा से आर.के. जैन श्रीमती राखी जैन, प्राचार्य शीतल चंद , डॉ पी सी जैन, सुभाष चौधरी, सुरेश भोंच, महेंद्र रांवका, भूपेंद्र जैन श्रीमाल,महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला रांवका, महिला समिति की मंत्री श्रीमती रश्मि सांगानेरिया एवं समाज के कई गण मान्य व्यक्तियों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी ' अंत में समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव जैन गाजियाबाद, सहायक चुनाव अधिकारी मनीष बैद एवं अनिल छाबड़ा, सुधांशु कासलीवाल एवं सभी पधारे हुए महानुभावों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

सांगनेर बार एसोसिएशन चुनाव

टीकम शर्मा अध्यक्ष अशोक पारीक महासचिव निर्वाचित

सांगानेर. शाबाश इंडिया। बार एसोसिएशन के चुनाव शुक्रवार को संपन्न हुए जिसमे गणना के बाद देर रात नतीजे घोषित। चुनाव अधिकारी लक्ष्मीनारायण चौधरी , मुकेश मीना एवं मुकेश शर्मा ने बताया चुनाव में 497 में से 472 मतदाताओं ने भाग लिया । अध्यक्ष पद पर टीकम चंद शर्मा 151 मतो से विजयी हुए । उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र दायमा एवं राम कुंजन शर्मा , महासचिव पद पर अशोक पारीक 51 मतो से विजयी हुए संयुक्त सचिव पद पर अमित मिश्रा , कोषाध्यक्ष पद पर महेश कुमार शर्मा , सांस्कृतिक सचिव पद पर श्रीमती नीतू जैन विजयी रही तथा पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर जगदीश नारायण शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए । टीकम चंद शर्मा पूर्व में बार एसोसिएशन के महासचिव रह चुके है ।इसिप्रकार कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु डोनेश जैन , हर्षित जैन , कैलाश नारायण शर्मा रामेश्वर प्रसाद शर्मा , हरिराम जाट , दिनेश मीणा , अंकुर दुदानी, दीपक कोठीवाल , चंद्रशेखर गहलोत एवं बनवारी लाल कुंडारिया चुने गए ।

डीएवीवी के जैन गणित केंद्र में जैन गणितीय पांडुलिपियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ

इंदौर. शाबाश इंडिया

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा जैन गणित केंद्र में 12 दिसंबर से 23 दिसंबर तक जैन गणितीय पांडुलिपियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ जैन अध्ययन केंद्र लंदन के प्रोफेसर पीटर फ्लूगेल ने किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उन्होंने पांडुलिपियों की प्राचीनता और उसके महत्व की प्रशंसा करते हुए उनके प्रकाशन की आवश्यकता एवं शोध के क्षेत्र में प्राथमिक स्रोतों से सामग्री संग्रहित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जैन गणित केंद्र के प्रमुख डॉक्टर अनुपम जैन, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव टोकेकर, डॉ वीणा जैन आदि अनेकों विद्वत जनों एवं जिज्ञासुओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आयोजन की सराहना की।

जिनधर्म प्रभावना पदयात्रा दिनांक 14 दिसंबर से 20 दिसंबर 2025 तक

प्रेम, तप और पर्यावरण संरक्षण का संगम बनी, हरित संदेश और आत्मसंयम के संकल्प के साथ आगे बढ़ी जिनधर्म पदयात्रा, आस्था, प्रेम और संयम का विराट संदेश

कोटा. शाबाश इंडिया। तपोभूमि प्रणेता आचार्य 108 श्री प्रज्ञासागर जी महामुनिराज के पावन सानिध्य में कोटा से जहाजपुर तक आयोजित जिनधर्म प्रभावना पदयात्रा ने जैन समाज को आस्था, प्रेम, संयम और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। प्रवचन में गुरूदेव ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास के बाद साधुओं का प्रस्थान विहार कहलाता है, किंतु जब श्रावक भी साधना भाव से साथ चलें तो वह पदयात्रा बन जाती है। यह पदयात्रा परमात्मा की पदयात्रा, जिनधर्म प्रभावना यात्रा है। गुरूदेव ने गीतात्मक शैली में कहा– मैं जा रहा हूं, जाते-जाते क्या दूं, अपने प्यार को आशीर्वाद के रूप में दूं। उन्होंने आचार्य वीरसेन के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा कि सम्यक दृष्टि का प्रमाण मृत्यु के समय नमोकार मंत्र का स्मरण है। कबीर के दोहे ढाई आखर प्रेम का के माध्यम से उन्होंने वात्सल्य और प्रेम को धर्म का मूल बताया। समाज को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों का चयन होना चाहिए, चुनाव नहीं। अध्यक्ष लोकेश जैन सीसवाली ने पारस जैन पार्श्वमणि को जानकारी देते हुवे बताया कि पदयात्रा के दौरान धर्मध्वज, रथ और वाद्य यंत्रों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में श्रावकों ने गुरूदेव का पाद प्रक्षालन, आरती की तथा पुष्पवर्षा कर जयकारे लगाए। पुण्यर्जक परिवार बग्घी पर सवार रहा। गुरूदेव ने गुरु आस्था परिवार की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए चातुर्मास को ऐतिहासिक बताया। पदयात्रा के मुख्य संयोजक मिथुन मित्तल, सह संयोजक निलेश जैन खटकीडा, अजय जैन मेहरू बनाया थे। चैयरमेन यतीश जैन खेडावाला ने बताया कि पदयात्रा के दौरान यात्रा मार्ग में पौधारोपण किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण और हरित संदेश को जन-जन तक पहुँचाया। यह पहल आध्यात्मिक साधना के साथ प्रकृति के प्रति दायित्व बोध को भी सुदृढ़ करेगी।

विशाल निशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वीर सेवा संघ के तत्वावधान में यूथ विंग द्वारा रविवार को विजयसिंह पथिक नगर स्थित विद्या सागर वाटिका में निशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया। शिविर में 458 मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवा का वितरण किया गया। वीर सेवा संघ के अध्यक्ष सुभाष हुमड़ ने बताया कि शिविर सुबह 10.30 बजे प्रारंभ हुआ। जिसमें फिजियोथैरेपिस्ट एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ हर्ष बाफना एवं डॉक्टर अंकित सियाल ने 105 रोगी, यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ जैन ने 15 रोगी, जनरल फिजिशियन डॉक्टर अभिषेक जैन ने 98, ईएनटी डॉक्टर लीला जैन ने 42, डेंटिस्ट डॉक्टर मनीष जैन एवं पल्लवी जैन ने 53 रोगी, पीडियाट्रिशन डॉक्टर सुमित जैन ने 11रोगी, गायनाकोलास्टि डॉक्टर प्रियंका जैन ने 19 रोगी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विनय बोहरा ने 115 मरीज को चेक कर उचित परामर्श दिया। नेत्र रोग में जिनके 25 मोतियाबिंद रोगियों का संबंधित अस्पताल में ऑपरेशन निशुल्क कराया जायेगा। शिविर का शुभारम्भ दीप प्रवज्जलन द्वारा किया गया। शिविर के संयोजक अभिषेक सोनी व प्रभारी गौतम दूगड़ एवं आमंत्रित विशेषज्ञ डॉक्टर स्टाफ भामाशाह का विशेष सहयोग रहा। यूथ विंग के अध्यक्ष प्रदीप लुहाड़िया ,चीफ सेक्रेटरी विभोर गोधा एवं लेडीज विंग की अध्यक्ष सीमा गोधा ,चीफ सेक्रेटरी भारती सोनी ने डॉक्टर मेडिकल स्टाफ, भामाशाहों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में आए सभी डॉक्टरों, भामाशाओ के सम्मान किया गया।

श्री मद् पंच कल्याणक महोत्सव में आज निकलेगी गजरथ की फेरी

यदि अपने में थोड़ी भी शक्ति है तो चमत्कार तो यों हो जायेगा निर्माणका चार्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

विश्व शांति महायज्ञ में आज सवा करोड़ मंत्रो के साथ आहुतियां समर्पित की जायेगी: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य निर्यापका चार्य तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भ इया मुकेश भ इया के निर्देशन में चल रहे श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में आज प्रातः काल की वेला में भगवान के तप कल्याणक की महा पूजन हुई इसके बाद परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में महा मुनि आदि सागर की पडगाहन विधि की गई।

आज से ही हुआ था दान तीर्थ का प्रवर्तन

आज महा मुनि राज की आहार चार्य हो रही है आज से ही दान तीर्थ का प्रवर्तन हुआ था जव स्वयं भरत चक्रवर्ती ने राजा सोम श्रेयांस के दान की प्रशंसा करते हुए उनका हस्तिनापुर पहुंच कर बहुमान किया था। मुझे याद आ गया वो पल जव आचार्य श्री को आहार देने अभाना का दृश्य आचार्य श्री के करकमलों में ग्रास रखा आठ दिन के त्याग में तीन चार ग्रास लिए आचार्य ने क्या देखा उनकी दृष्टि में क्या चमत्कार मेरे समान बह दृश्य आज तक मेरी आंखों में झलक रहा है आठ दिन से आगे नियम लिया ही हर समय आनंद उमड़ता मन आनंद से भरा रहता इस समय इस पंचम काल में मुनि पद में जो आनंद है उसका कहना ही क्या चतुर्थ काल जंगलों में मुनि महाराज को शेर खा जायें तो पता नहीं आज तो संत शाला में मछर भी नहीं आ सकता कमेटी ने जालियां लगा रखी है आज संयम लेने का सबसे अच्छा मौका है आज महा मुनि को केवल ज्ञान की प्राप्ति हो गई अव उन्ही से दिव्य ध्वनि सुनने को मिल रही है।

विश्व शांति महायज्ञ में सबा करोड़ मंत्रो के साथ के साथ की जायेगी आहूति समर्पितः विजय धुर्रा

इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे विश्व शांति महायज्ञ में कल सबा करोड़ मंत्रो के साथ आहुति समर्पित की जायेगी इसके बाद दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य अति भव्य गजरथ यात्रा की सात फेरीया पूरे अयोध्या नगरी की होगी जहां बेदी पर प्रभु विराजमान हैं इस भव्य शोभायात्रा में सबसे आगे आगे मुनि संघ के साथ गजरथ और अन्य रथ बैन्ड वाजे इन्द्र इन्द्रणी सहित मुख्य पात्र रथों पर सवार होकर चलेंगे जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री

विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर संजय के टी संयोजक मनोज रन्नौद उमेश सिघई मनीष सिंघई श्रेयांसघैला थूवोनजी अध्यक्ष अशोकजैन टींगूमिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो सभी से सभी कार्यक्रमों में शामिल होने का निवेदन किया है। इस दौरान मुनिश्री ने कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि आज जो आप धर्म कर रहे हैं शान्ति से यज्ञ-हवन कर रहे हैं इसमें सीमा पर बैठ सैनिकों का सबसे ज्यादा योगदान है उन्हे भी इन महोत्सवों का छः भाग पुण्य का मिलता है शादी में भी चमत्कार शास्त्रों में आया है मैनसुन्दरी ने माता पिता के पसंद से शादी की चाहती तो मना कर सकती थी लेकिन नहीं माता पिता संसार के कार्य वहीं करना जो माता पिता कह देगा जो मां खिलाने की इच्छा होगी माताओं से कहना है कि अपने बेटे की इच्छा से नहीं है अपनी इच्छा से करना आप को भारत में जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

धूमधाम से मनाया वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का 28 वां संयम दीक्षा महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुरु कृपा से ही शिष्य की पहचान है। गुरु उपकार जन्मों जन्मों तक नहीं भुलाया जा सकता है। समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने 28 वां संयम दीक्षा महोत्सव के दौरान रविवार को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि वास्तविता सामने आती है तो सारे विकल्प अपने आप समाप्त हो जाती। आज मेरा दीक्षा दिवस मनाया जा रहा है। लेकिन यह सब गुरु गणाचार्य विराग सागर महाराज की ही कृपा है। 27 वर्ष पूर्व गुरु विराग सागर महाराज द्वारा मुनि दीक्षा के रुप में किया गया उपकार आज फलीभूत हो रहा है। सभी को वैराग्य और दीक्षा के भाव बनाने चाहिए। आज भाव बनाओगे तो एक दिन अवश्य वेराग्य प्राप्त होगा। जैन दर्शन कहता है कि सन्यास और दीक्षा परिग्रह के त्याग के बिना नही हो सकती है। भगवान पदमप्रभू के दर्शन करने से भावों में निर्मलता आती है।

राजगढ़ धाम पर हुआ स्वच्छता कार्यक्रम

नसीराबाद (रोहित जैन)

राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में श्री मसानिया भैरव धाम राजगढ़ अजमेर पर ब्लॉक स्तरीय स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज के पावन सानिध्य एवं देवी लाल यादव उपखंड अधिकारी नसीराबाद के ओर महेश चौधरी विकास अधिकारी श्रीनगर की मौजूदगी में भैरव धाम राजगढ़ परिसर वी आसपास के क्षेत्र में साफ सफाई की गई। चम्पालाल महाराज ने सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और इस स्वछता अभियान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । वहीं मंदिर कमेटी की ओर से सभी का स्वागत सत्कार किया गया। कृष्ण कुमार यादव सीओ नसीराबाद, राकेश किराड़ तहसीलदार नसीराबाद, भंवर सिंह थाना अधिकारी, राजेंद्र कुमार विडीओ, रेखा कतीरिया प्रिंसिपल राजगढ़, आयुर्वेद चिकित्सक सीमा गुर्जर, हरि राठी, रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, मंडल अध्यक्ष हीरा सिंह रावत, ज्ञान सिंह रावत, ओम सिंह, सुक्खा सिंह, श्रवण सिंह कमल बालोटिया, कुलदीप मेघवंशी आदि मौजूद रहे।